

CRR (Cash Reserve Ratio):- नगद आरक्षण अनुपात
या
नगद कोषानुपात

बैंकों को अपने NDTL का एक भाग रिजर्व बैंक के पास नगद रूप में रखना पड़ता है। जिसे CRR कहते हैं।

CRR में होने वाले परिवर्तन बैंकों की साव्य-सृजन (Credit-creation) की क्षमता को गुणात्मक रूप से प्रभावित करते हैं। यदि CRR को कम किया जाता है तो बैंकों की साव्य-सृजन क्षमता गुणात्मक रूप से बढ़ जाती है।

इसे साव्य-विस्तार (Credit-expansion) कहा जाता है।

इसी प्रकार, यदि CRR को बढ़ाया जाता है तो बैंकों की साव्य-सृजन की क्षमता गुणात्मक रूप से कम हो जाती है।

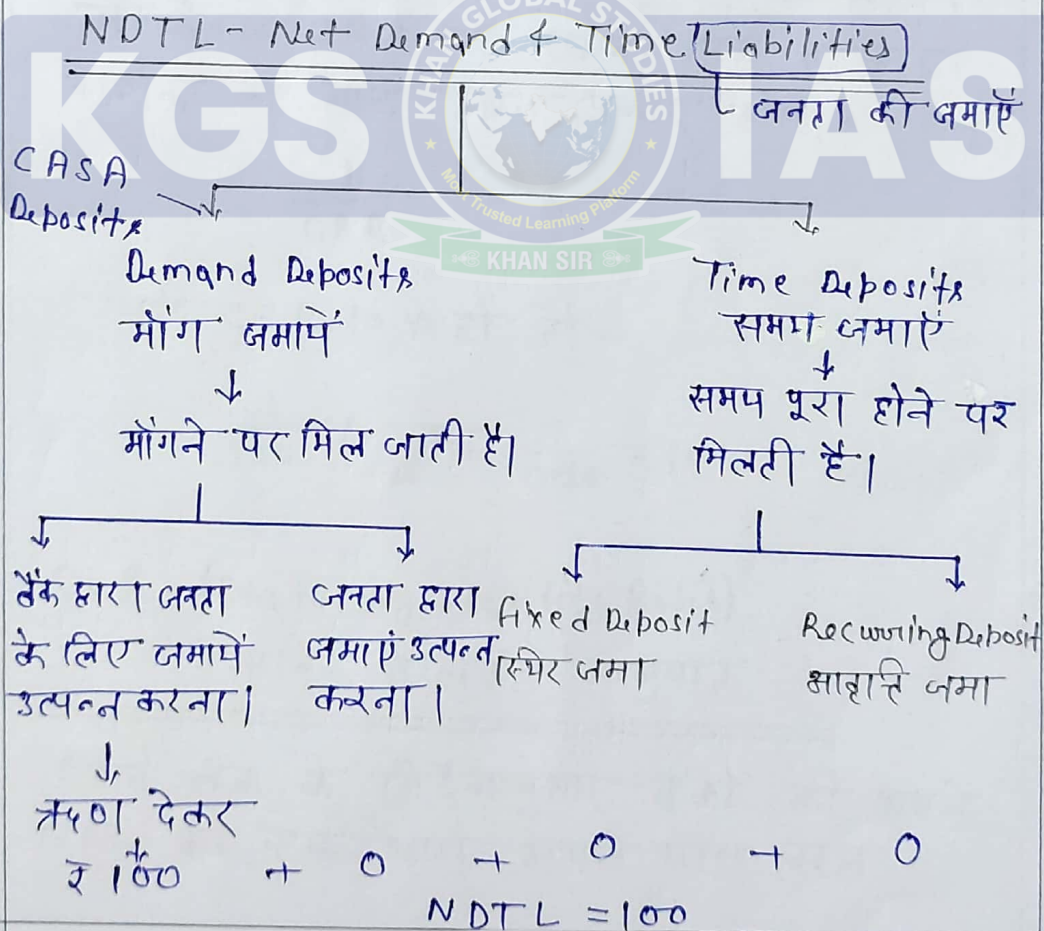
इसे साव्य-संकुचन (Credit squeeze) कहते हैं।

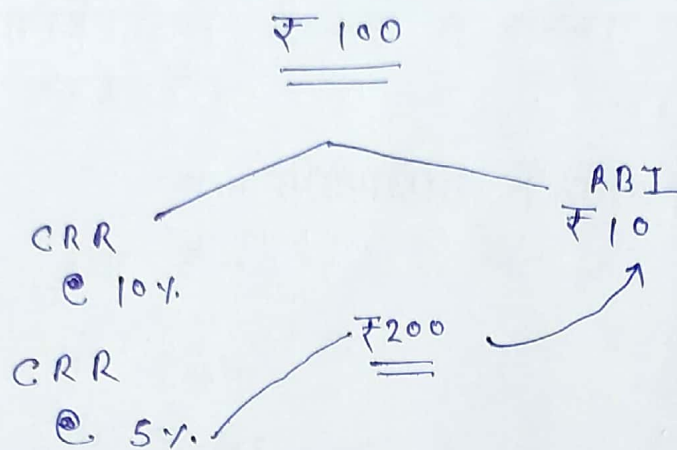
नोट:-

वर्ष 2006 में CRR की न्यूनतम सीमा (3%) और अधिकतम सीमा (15%) का हरा दिया गया।

वर्तमान में CRR का स्तर 4.5% है।

यह ध्यान देने योग्य है कि CRR के आधार पर RBI के पास रखे जाने वाले नगद पर कोई व्याज नहीं दिया जाता है।





मुद्रा गुणक (Money Multiplier) और CRR

यदि बैंकों का NDTL के अनुपात के रूप में केवल CRR को रखना पड़े तो मुद्रा गुणक का मान निम्न प्रकार होगा -

$$\frac{1}{CRR}$$

यदि CRR, 10% हो तो -

$$\frac{1}{10} \% \text{ या } \frac{1}{0.10} = 10$$

SLR (Statutory Liquidity Ratio)

वैधानिक तरलता अनुपात

रिजर्व बैंक के निर्देशानुसार बैंकों को अपने NDTL का एक भाग अपने पास तरल

परिसंपत्तियों के रूप में रखना पड़ता है इसे SLR कहते हैं।

तरल परिसंपत्तियों में निम्न विकल्प दिए गए हैं:-

- (i) Cash
- (ii) Govt Sec
- (iii) Gold
- (iv) SDF Rate पर जमापें

SLR से जमाकर्ताओं की अप्रत्यक्ष रूप से सुरक्षा प्राप्त होती है। (UPSC PT)

SLR में होने वाले परिवर्तन भी CRR के समान बैंकों की लाब-सूजन की क्षमता को गुणात्मक रूप से प्रभावित करते हैं।

CRR, SLR और मुद्रा गुणक :-

$$\frac{1}{CRR + SLR}$$

बैंकिंग भादत ओर मुद्रा गुणक :-

बैंकिंग भादत के लिए CDR (Currency Deposits Ratio) का निर्माण किया जा सकता है। यह जमाओं का वह भाग होता है जो लोग अपने पास नगद रूप में रखना चाहते हैं।

(i) बैंकिंग भादत
(↑) → ↓ CDR

(ii) बैंकिंग भादत
(↓) → ↑ CDR

CRR, SLR और CDR के होने पर मुद्रा गुणक निम्न प्रकार होगा -

$$\frac{1}{CRR + SLR + CDR}$$

Legally Required Ratio
↓
LRR